राम नाम मणिदीप धरु

Ram Naam Manideep Dharu • दोहा • देवनागरी

राम नाम मणिदीप धरु जीह देहरीं द्वार।
तुलसी भीतर बाहेरहुँ जौं चाहसि उजिआर॥

रचना / पाठ-परंपरा: गोस्वामी तुलसीदास; रामचरितमानस, बालकांड, दोहा २१
पारंपरिक पाठ; वर्तनी और पाठांतर संभव हैं।